NT>

Title:Alleged irregularities in the construction of projects to check the floods in Katihar District, Bihar.

श्रीमती रेनु कुमारी (खगड़िया) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विाय को उठाने जा रही हूं। उफनती गंगा और कोसी नदी का तांडव उत्तर बिहार का कटिहार जिला झेल रहा है। दर्जनों पंचायतें गंगा की भेंट चढ़ चुकी हैं। कांठागोला, कांतनगर, हासिम पुर, भरौली, भवानीपुर, गोवराही, गुरमैला, पकहारा, भंडारतल, उचला, भरोली, पुसीटोला, ऐसी ग्राम पंचायतों के नाम हैं, जो सतही तौर पर कहीं अस्तित्व में नहीं हैं, सिर्फ कागजों पर अस्तित्व में हैं।

अध्यक्ष महोदय, बरारी, कुरसेला, समेली, फलका प्रखंड में पड़ने वाली इन पंचायतों के कोई तीन लाख ग्रामीण खानाबदोश का जीवन व्यतीत कर रहे हैं। बिहार सरकार की तरफ से इनके पुनर्वास का कोई इंतजाम नहीं है। इस कटाव को रोकने के लिए केन्द्र सरकार की तरफ से 18 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली थी जिसमें स्पर का निर्माण होना था लेकिन विभाग की अदूरदर्शिता और लापरवाही के कारण जो 11 स्पर एवं रिटायर लाइन का निर्माण होना था, उसके शुरूआतीकरण में ही वह गंगा की भेंट चढ़ गया जिससे ढ़ाई करोड़ रुपये पानी में चले गये क्योंकि एक स्पर के निर्माण में सवा करोड़ रुपया लगता है और प्रदेश की सरकार, विभागीय अधिकारी और ठेकेदार ने मिलकर इस योजना को सोने की अंडा देने वाली मुर्गी समझकर लिया है और ये लोग जनता के पैसे को बंदर-बांट करने का काम कर रहे हैं।

मैं आपके माध्यम से मांग करती हूं कि 18 करोड़ रुपये जो जनता का पैसा है, हम आपसे मांग करते हैं कि केन्द्र सरकार अपनी टीम वहां भेजे और टीम भेजकर उसकी जांच करे और दोाियों को सजा दे।